ऐसा नया साल आया...कि हमीं जानते हैं

यूपी प्रवासी दिवस का हुआ आगाज, मुख्यमंत्री बोले- हम जानते हैं कौन सा नट बोल्ट कहां लगाना है

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : विधान सभा चुनाव की घोषणा हुए कुछ ही घंटे बीते थे, लेकिन उप्र प्रवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इतनी ही देर में पूरी तरह चुनाव के मूड में आ चुके थे। बोले-अब जनता के बीच जाना है। परिवार में चल रहे विवाद पर पत्रकारों के सवालों से तो वह बचते रहे लेकिन, मंच से बोल गए- इस बार ऐसा नया साल आया कि हमीं जानते हैं..., लोग बधाई दे रहे थे..., उन्हें रोकना पड़ा।

होटल ताज में बुधवार को हुए आयोजन में मुख्यमंत्री ने पांच साल के अपने शासन की उपलब्धियां गिनाते हुए अफसरों की तारीफ की और कहा-इतने दिनों में अधिकारियों ने हमें पढ़ लिया है तो हमने भी उन्हें पढ़ लिया है। समझ लिया है कि कौन सा हथौड़ा कहां लगेगा और कौन सा नट बोल्ट कहां लगेगा..., दोबारा लौटेंगे तो ठीक से नट बोल्ट लगाएंगे। समारोह में मौजूद मॉरीशस के संस्कृति मंत्री पृथ्वीराज सिंह रूपम द्वारा इससे पहले अपने संबोधन में मुख्यमंत्री को मॉरीशस आमंत्रित कर चुके थे। मुख्यमंत्री ने इस पर भी चुटकी ली। बोले- मॉरीशस जाने पर कहां कह दूं तो सोचो उसका मतलब क्या निकलेगा। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से जब परिवार के विवाद और मुलायम सिंह से समझौते की संभावना पर पूछा तो मुख्यमंत्री इतना ही बोले कि नेताजी के आशीर्वाद से ही मैं सीएम बना था, मैंने काम किए हैं और अब समाजवादी विचारधारा को ही लेकर चलूंगा और विजयी बनाऊंगा। सीएम ने प्रवासियों को उप्र अप्रवासी भारतीय रत्न अवार्ड से भी सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य सचिव राहुल भटनागर सीआइआइ के प्रतिनिधि समीर गुप्ता, मुख्यमंत्री के सलाहकार आलोक रंजन मौजूद रहे। एनआरआइ विभाग के प्रमुख सचिव रमा रमन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

होटल ताज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित प्रवासी भारतीयों के साथ मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, मॉरीशस के संस्कृति मंत्री पृथ्वीराज सिंह , सीएम के सलाहकार आलोक रंजन व अन्य

इन्हें मिला सम्मान

ज्ञानेंद्र कुमार, पीयूष गोयल, अजेश वसंथरन महाराज, कृष्ण कुमार पांडेय, अदिति श्रीवास्तव, जितेन के .अग्रवाल, तबस्सुम मंसूर, शेर बहादुर सिंह, प्रतिभा शालिनी तिवारी, राजीव भांबरी, सुरेशचंद्र शुक्ल, डॉ .सुधीर राठौर, वीना भटनागर, विनोद गुप्ता व सर विद्याधर सूरजप्रसाद नैपॉल।

रेशमी अहसास में लिपटी सुरमई शाम

- लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों पर झूमे दर्शक

एक तरफ शिव का तांडव तो दूसरी ओर दादरा की बेहद सौम्य प्रस्तुति। कहीं, सूफियाना अंदाज तो कहीं धोबिया नृत्य में सास-बहू का खूबसूरत संवाद। एक के बाद एक सुंदर प्रस्तुतियों ने लोगों को एक ही मंच पर उत्तर प्रदेश की विभिन्न संस्कृतियों से रू-ब-रू कराया।

मौका था उत्तर प्रदेश प्रवासी दिवस 2017 कार्यक्रम का। राष्ट्रीय कथक संस्थान, झांसी और गाजीपुर के कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से हाल में बैठे सभी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस मौके पर राष्ट्रीय कथक संस्थान की ओर से 'रेशमी अहसास' कथक के तीन पक्ष प्रस्तुत किए गए। पहले पक्ष में शिव स्त्रोत की प्रस्तुति में शिव तांडव को कथक के सुंदर तोड़े, तिहाई, परन, चक्करदार टुकड़े, परमेलू, भाव अभिव्यंजना के माध्यम से बड़ी ही कुशलता से प्रस्तुत किया गया। वहीं दूसरे पक्ष में 'रंगी सारी हमारी चुनरिया रे मोहे मारे नजरिया सावरिया रे' बोल पर लोक गायन शैली में दादरा की भावपूर्ण प्रस्तुति कुशल नृत्यांगनाओं ने दी। कथक कलाकारों में अर्चना तिवारी, आकृति, काव्या, देवांशी और आरोहिणी प्रमुख रही। कार्यक्रम की अवधारणा, परिकल्पना, प्रस्तुति व निर्देशन संस्थान की सचिव सरिता श्रीवास्तव का रहा। कार्यक्रम में झांसी से आए जेके शर्मा व उनके साथियों ने बुंदेलखंड का 'राई' लोकनृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। वहीं गाजीपुर से आए जीवनराम और उनके साथियों ने धोबिया नृत्य में सास-बहू के संवाद की मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों के कमर पर बंधी घंटियों की मधुर आवाज जहां लोगों को रिझा रही थी, वहीं उनके पैरों की थिरकन लोगों को झूमने पर मजबूर कर रही थी। कार्यक्रम का संचालन अर्चना सतीश ने किया।